Total No. of Printed Pages : 4]

M/Sem III/179

Roll No. .....

M. A. Semester III

Examination, 2013-14

PHILOSOPHY (COMMON WITH I.P.R.)

Minor Elective

Paper : IV

Sāmkhya Philosophy

Time : Three hours] ***[Full Marks : 70***

[Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper.]

Note : Attempt *all* the *three* Section A, B and C according to the instructions given.

निर्देशानुसार अ, ब तथा स प्रत्येक खण्ड के उत्तर दीजिए।

SECTION – A

खण्ड – अ

Note : Attempt any *two* questions out of the following Four questions each in 500 words. Each questions carries 15 marks.

P. T. O.

अधोलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का, प्रत्येक का 500 शब्दों में उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

1. Explain the concept of Suffering in Sāṁkhya. How can Suffering be removed ? Discuss.
सांख्य में दुःख की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। दुःख की निवृत्ति कैसे हो सकती है ? विवेचन कीजिए।

2. Discuss according to Sāṁkhya the nature and kinds of inference as an independent source of Valid knowledge.
सांख्य के अनुसार एक स्वतन्त्र प्रमाण के रूप में अनुमान के स्वरूप एवं प्रकारों का विवेचन कीजिए।

3. Discuss critically the Sāṁkhya theory of causation. How does Sāṁkhya refute the theory of Asatkārya ?
सांख्य के कारणता सिद्धांत की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए। सांख्य असत्कार्यवाद का खण्डन कैसे करता है ?

4. How does Sāṁkyha prove the existence of Prakṛti as the root cause of the world ? Discuss.
जगत् के मूलकारण के रूप में सांख्य प्रकृति के अस्तित्व को कैसे सिद्ध करता है ? विवेचन कीजिए।

SECTION – B
खण्ड – ब

Note : Attempt any ***three*** questions out of the following six questions each in 250 words each. Each question carries 10 marks.
अधोलिखित छः प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों का, प्रत्येक का 250 शब्दों में उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

5. Explain and examine the arguments given by Sāṁkhya to prove the plurality of Puruṣa.

पुरुष के बहुत्त्व को सिद्ध करने के लिए सांख्य द्वारा दी गयी युक्तियों की व्याख्या एवं परीक्षा कीजिए।

6. Discuss the nature and object of verbal testimony as an independent source of valid knowledge.

एक स्वतंत्र प्रमाण के रूप में आप्तवचन (शब्द–प्रमाण) के स्वरूप एवं विषय का विवेचन कीजिए।

7. What is purpose of creation ? How evolution is possible from an unconscious entity ? Discuss.

सर्ग का प्रयोजन क्या है ? एक अचेतन तत्त्व से विकास कैसे संभव है ? विवेचना कीजिए।

8. Discuss the nature and functions of Gunas in Sāṁkhya.

सांख्य में गुणों के स्वरूप एवं कार्यों का विवेचन कीजिए।

9. Why prakṛti is said to be bound and liberated in Sāṁkhya ? Discuss.

सांख्य में प्रकृति को बद्ध एवं मुक्त क्यों कहा गया है ? विवेचन कीजिए।

10. Discuss the nature and function of internal organs in Sāṁkhya.

सांख्य में अन्तःकरण के स्वरूप एवं कार्य का विवेचन कीजिए।

SECTION – C

खण्ड – स

Note : Attempt ***all*** the ***five*** parts of the following questions each in one sentence. Each part carries **2** marks.
अधोलिखित प्रश्न के सभी ***पाँचों*** भागों का प्रत्येक का एक वाक्य उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग **2** अंकों का है।

11.(a) Which tattvas in Sāṁkhya are both cause and effect ?
सांख्य में कौन–से तत्त्व कारण और कार्य दोनों हैं ?

(b) What are five viparyayas (Error) in Sāmkhya ?
सांख्य में पाँच विपर्यय क्या हैं ?

(c) What are called aviśeṣa (Non-specific) in Sāmkhya ?
सांख्य में अविशेष किन्हें कहा जाता है ?

(d) Why Arthāpatti (Presumption) has not been accepted by Sāmkhya as an independent and distinct source of valid knowledge ?
सांख्य में अर्थापत्ति को एक स्वतन्त्र एवं भिन्न प्रमाण के रूप में क्यों स्वीकार नहीं किया गया ?

(e) In what features puruṣa is different from both Vyakta (Manifest) and avyakta (unmanifest) ?
किन धर्मों में पुरुष व्यक्त एवं अव्यक्त दोनों से भिन्न हैं ?